दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, रविवार 25 सितंबर 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 356

महत्वपूर्ण एवं खास

बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी को अदालत ने सुनाई उम्र कैद की सजा

प्रतापगढ़ ,24 सितंबर (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में स्थानीय अदालत ने 08 साल की बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास और 40 हजार रुपये के अर्थदंड की की सजा सुनायी है। इस मामले में अभियोजन पक्ष के वकील प्रदीप कुमार पाण्डेय ने शनिवार को बताया कि विशेष न्यायाधीश (पास्को एक्ट) पंकज कुमार श्रीवास्तव की अदालत ने कल देर शाम आरोपी को दोषसिद्ध ठहराया और उम्र कैद एवं जुर्माने की सजा सुनायी। इस मामले में 13 अक्टूबर 2018 को एक व्यक्ति ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करायी थी कि उसके घर के लोग खेत मे काम करने गये थे, उस समय उसकी 8 साल की बहन घर मे अकेली थी। तभी आरोपी राजेश बहला फुसला कर बिस्किट देने के बहाने उसे अपने आवास पर ले गया उसके साथ दुष्कर्म किया। बाद में घर के लोग पहुंचे तो बच्ची ने घटना की जानकारी दी। अदालत ने पुलिस जांच में मिले सबूतों के आधार पर आरोपी को दोषी करार दिया। विशेष लोक अभियोजक प्रदीप कुमार पाण्डेय ने अभियोजन पक्ष की पैरवी की।

आमिर खान गाजियाबाद से गिरफ्तार

कोलकाता (आरएनएस)। मोबाइल गेम एप ई-नगेट के जरिये हजारों करोड़ रुपये ठगने के आरोपी फरार जालसाज आमिर खान को कोलकाता पुलिस ने उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में धर दबोचा है। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि कोलकाता पुलिस के साइबर सेल ने 25 वर्षीय फरार जालसाज को शुक्रवार को गाजियाबाद के एक ठिकाने से गिरफ्तार किया है। पुलिस उसे ट्रांजिट रिमांड पर शहर ला रही है। गौरतलब है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने दस सितम्बर को आरोपी के डॉक क्षेत्र में स्थित गार्डन रीच समेत छह ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया था और गार्डन रीच हाउस में एक कमरे के बिस्तर के नीचे रखी 17.32 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की थी। ईडी ने कहा कि मोबाइल गेम एप के जरिये ठगी के मामले में दस सितम्बर को आरोपी के छह ठिकानों पर मनी लांड्रिंग अधिनियम 2002 के तहत तलाशी अभियान चलाया गया था।

मुंबई में टैक्सी, ऑटो का बढ़ेगा किराया

मुंबई (आरएनएस)। महाराष्ट्र राज्य परिवहन विभाग एक अक्टूबर से टैक्सियों के न्यूनतम किराए में तीन रुपये और ऑटो-रिक्शा के किराए में दो रुपये की वृद्धि करने पर सहमत हो गया है। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि इस फैसले को सोमवार को मुंबई महानगर क्षेत्र परिवहन प्राधिकरण (एमएमआरटीए) द्वारा मंजूरी दी जाएगी। टैक्सी कैब का मौजूदा न्यूनतम किराया 25 रुपये है जबकि ऑटो रिक्शा के लिए यह 21 रुपये है। नया न्यूनतम किराया क्रमश: 28 रुपये और 23 रुपये होगा। मुंबई टैक्सीमैन यूनियन (एमटीयू) के नेता एके चड्रोस ने कहा, राज्य सरकार एमएमआरटीए से मंजूरी के बाद शुक्रवार को टैक्सियों और ऑटो-रिक्शा के किराए में संशोधन के लिए सहमत हुई।

देश में पहली बार समंदर के नीचे दौड़ेगी बुलेट ट्रेन

मुंबई । मुंबई में देश का पहला अंडर वाटर सी टनल बनने जा रहा है। यानी समुद्र के नीचे सुरंग बनाई जाएगी और उसके अंदर से बुलेट ट्रेन चलाई जाएंगी। इसके लिए नेशनल हाई स्पीड रेलवे कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने टेंडर मंगवाया है। मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स और ठाणे के शीलफाटा के पास अंडरग्राउंड स्टेशन के बीच यह अंडरवाटर सी टनल बनाया जाएगा।

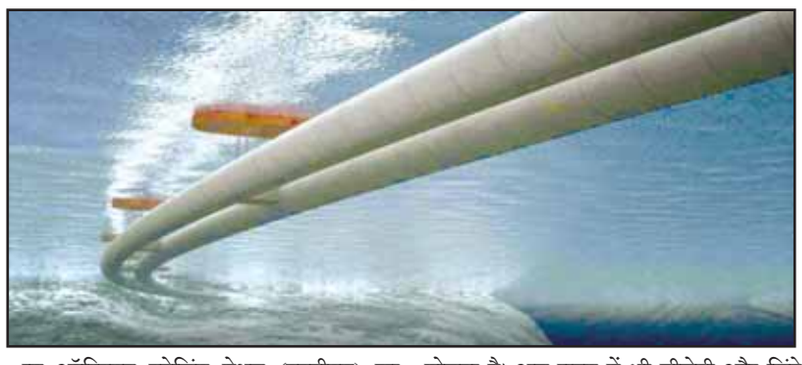

एनएचएसआरसीएल ने जिस टनल के लिए टेंडर मंगवाया है, उसकी लंबाई 7 किलोमीटर होगी। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेलवे कॉरिडोर के लिए 21 किलोमीटर का टनल तैयार किया जाना है। इनमें से ये सात किलोमीटर की दूरी अंडरवाटर सी टनल से तय की जाएगी।

समुद्र के नीचे सात किलोमीटर लंबी सुरंग बनेगी। इस तरह का यह देश की पहली अंडर वाटर सी टनल होगा। टेंडर में दी गई जानकारियों के मुताबिक टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) और न्यू ऑस्ट्रियन टनेलिंग मेथड (एनटीएम) का इस्तेमाल करते हुए यह टनल बनाया जाएगा। इस तरह बनने वाला यह देश का पहला अंडर वाटर सी टनल मुंबई में बनने जा रहा है।

प्राप्त जानकारियों के मुताबिक राज्य में सरकार बदलने के बाद मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट पर काम तेज रफ्तार से शुरू हो गया है, क्योंकि यह केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। अब राज्य में भी बीजेपी और शिंदे गुट की सरकार है। इस वजह से केंद्र और राज्य में समन्वय से यह केंद्र का प्रोजेक्ट तेज गति से आगे बढ़ रहा है। जल्दी-जल्दी टेंडर निकाले जा रहे हैं। बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स और शीलफाटा के बीच ये अंडर वाटर सी टनल के लिए सर्वे और अन्य प्रारंभिक काम पूरे कर दिए गए हैं और टेंडर निकाला जा चुका है।

इसरो की मदद से भारतीय रेल निगरानी के लिए विकसित की गई आधुनिक तकनीक

नई दिल्ली (आरएनएस)। इसरो की मदद से भारतीय रेलों के लिए एक विशेष तकनीक विकसित की गई है। इस तकनीक को भारतीय रेलवे द्वारा ट्रेनों पर नजर रखने के लिए उपयोग में लाया जा रहा है। इसके अंतर्गत रेल के 2700 इंजनों के लिए रियल टाइम ट्रेन इंफॉर्मेशन सिस्टम (आरटीआईएस) उपकरण लगाए गए हैं। यह आरटीआईएस 30 सेकंड अंतराल पर मध्य-खंड अपडेट देगा। वर्तमान में, लगभग 6500 रेल के इंजनों से जीपीएस फीड सीधे कंट्रोल ऑफिस एप्लीकेशन को भेजी जाती है। इससे ट्रेनों में ऑटोमेटिक चार्टिंग और यात्रियों को नवीनतम स्थिति की जानकारी मिल सकेगी।

इसरो के सहयोग से विकसित रीयल टाइम ट्रेन इंफॉर्मेशन सिस्टम (आरटीआईएस) को ट्रेनों के आगमन और प्रस्थान या पूर्वाभ्यास सहित स्टेशनों पर ट्रेन की आवाजाही के समय की स्वत जानकारी प्राप्त करने के लिए इंजनों में लगाया जा रहा है। कंट्रोल ऑफिस एप्लीकेशन (सीओए) सिस्टम में ये अपने आप उन ट्रेनों के कंट्रोल चार्ट पर स्वतह सारणी तैयार कर लेते हैं।

रेल मंत्रालय के मुताबिक आरटीआईएस 30 सेकंड के अंतराल पर मिड-सेक्शन अपडेट प्रदान करता है। ट्रेन नियंत्रण अब बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के आरटीआईएस सक्षम इंजनों/ट्रेन के स्थान और गति पर अधिक बारीकी से नजर रख सकता है।

रेल मंत्रालय का कहना है 21 इलेक्ट्रिक लोको शेड में 2700 इंजनों के लिए आरटीआईएस उपकरण स्थापित किए गए हैं। दूसरे चरण के रोल आउट के हिस्से के रूप में, इसरो के सैटकॉम हब का उपयोग करके 50 लोको शेड में 6000 और इंजनों को शामिल किया जाएगा। वर्तमान में, लगभग 6500 लोकोमोटिव (आरटीआईएस और आरईएमएमएलओटी) को सीधे कंट्रोल ऑफिस एप्लिकेशन (सीओए) में डाला जा रहा है। इसने सीओए और एनटीईएस एकीकरण के माध्यम से यात्रियों को ट्रेनों की स्वचालित चार्टिंग और नवीनतम जानकारी के सूचना प्रवाह को सक्षम किया है।

केरल पुलिस ने पीएफआई कार्यकर्ता हिंसा में दर्ज किए 53 मामले, 127 कार्यकर्ता हिरासत में

तिरुवनंतपुरम (आरएनएस)। एनआईए की छापेमारी से क्रोधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) ने राज्य में हंगामा किया और केएसआरटीसी की 70 बसों को नुकसान पहुंचाया। इसके अलावा भी अन्य संपत्तियों और वाहनों को नुकसान पहुंचाया गया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा गुरुवार तडक़े संयुक्त अभियान के तहत पीएफआई कार्यकर्ताओं ने अपने नेताओं सहित 19 साथी कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के विरोध में सुबह से शाम तक बंद का आह्वान किया।

केरल उच्च न्यायालय द्वारा शुक्रवार को राज्य में एक हड़ताल के अवैध आह्वान के लिए पीएफआई के नेताओं के खिलाफ कड़ी निंदा और स्वत: संज्ञान कार्यवाही शुरू करने के बाद चीजें बदलती दिखाई दीं।

न्यायमूर्ति ए के जयशंकरन नांबियार और न्यायमूर्ति मोहम्मद नियास की खंडपीठ ने अदालत के आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

इसके बाद केरल पुलिस हरकत में आई और शाम तक 127 लोगों को गिरफ्तार किया गया, 53 मामले दर्ज किए गए और 229 लोगों को एहतियातन हिरासत में लिया गया।

कन्नूर में, एक आरएसएस कार्यालय पर हमला किया गया। पुलिस ने पेट्रोल बम ले जा रहे एक पीएफआई कार्यकर्ता को हिरासत में लिया था।

इसी तरह, पीएफआई कार्यकर्ताओं द्वारा जबरन दुकानें बंद करने और विरोध करने वालों पर शारीरिक हमला करने की कई खबरें थीं।

सुबह से शाम तक बंद का सबसे ज्यादा असर राज्य के मुस्लिम गढ़ इलाकों में देखा गया।

आईटी कंपनी से मिले जॉब ऑफर पर रहें अलर्ट , सरकार ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली (आरएनएस)। आईटी कंपनी से मिलने वाले जॉब ऑफर को लेकर भारत सरकार ने एडवाइजरी जारी की है और सतर्क रहने के लिए कहा है। सरकार ने शनिवार को आईटी स्किल्ड युवाओं को निशाना बनाने वाले फर्जी जॉब रैकेट से जुड़ी एक एडवाइजरी जारी की। सरकार की तरफ से यह एडवाइजरी ऐसे मौके पर जारी की गई है, जब संदिग्ध आईटी कंपनियों द्वारा 100 से ज्यादा लोगों को नौकरी का झांसा देकर म्यांमार में ले जाया गया। फिलहाल अब तक 32 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बचाया है। इन लोगों को शानदार आईटी नौकरियां दिलाने के बहाने म्यांमार के एक दूरदराज के हिस्से में ले जाया गया था। वहीं, भारत अभी थाईलैंड और म्यांमार के साथ उसी क्षेत्र में फंसे 60 अन्य लोगों की मदद करने के लिए काम कर रहा है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि थाईलैंड और म्यांमार में मौजूद भारत के मिशनों को थाईलैंड में 'डिजिटल सेल्स एंड मार्केटिंग एग्जिक्यूटिव' पदों के लिए भारतीय युवाओं को लुभाने के लिए आकर्षक नौकरियों की पेशकश की जा रही है और पता चला है कि ये पूरी तरह से नकली जॉब रैकेट है, जिनका मकसद युवाओं को फंसाना है। ये रैकेट कॉल-सेंटर घोटाले और क्रिप्टो-करेंसी फ्रॉड में शामिल संदिग्ध आईटी फर्मों द्वारा ऑपरेट किए जा रहे हैं। दरअसल, हर साल लाखों युवा विदेशों में आईटी सेक्टर की नौकरी के लिए रुख करते हैं।

सरकार की चेतावनी- विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया, 'बैंकॉक और म्यांमार में मौजूद हमारे मिशन के संज्ञान में आया है कि नकली जॉब रैकेट भारतीय युवाओं को थाईलैंड में डिजिटल सेल्स एंड मार्केटिंग एग्जिक्यूटिव के पदों पर नियुक्ति के लिए आकर्षक जॉब ऑफर कर रहे हैं। ये जॉब फर्जी कॉल सेंटर और क्रिप्टो-करेंसी फ्रॉड में शामिल रहीं संदिग्ध आईटी फर्मों द्वारा ऑफर किए जा रहे हैं' बयान में आगे कहा गया, 'आईटी स्किल्ड युवाओं को टारगेट किया जा रहा है। उन्हें सोशल मीडिया एड्स के साथ-साथ दुबई और भारत स्थित एजेंटों द्वारा थाईलैंड में आकर्षक डेटा एंट्री नौकरियों के नाम पर ठगा जा रहा है।' बयान में कहा गया, 'पीड़ितों को कथित तौर पर सीमा पार अवैध रूप से ले जाया गया है। ज्यादातर लोगों को म्यांमार में ले जाया गया है। इन लोगों को खराब परिस्थितियों में काम करने के लिए बंदी बनाया गया है।' विदेश मंत्रालय ने कहा, 'इसलिए, भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म या अन्य सोर्स के जरिए जारी किए जा रहे ऐसे फर्जी नौकरी प्रस्तावों में न फंसें। भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि रोजगार के उद्देश्य से टूरिस्ट/विजिट वीजा पर यात्रा करने से पहले वे विदेश में संबंधित मिशनों के माध्यम से विदेशी नियोक्ताओं की जांच करें।'

जिंदा मानकर लाश के साथ डेढ़ साल से सो रहा था परिवार, हुआ खुलासा

नई दिल्ली ,24 सितंबर (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के कानपुर से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। इनकम टैक्स अधिकारी के शव को परिवार ने डेढ़ साल तक न सिर्फ घर में रखा, बल्कि पूरा परिवार उसके साथ सो भी रहा था। परिवार ने लोगों को बताया था कि आयकर अधिकारी कोमा में है, हालांकि, सच्चाई यह है कि अस्पताल ने डेढ़ साल पहले ही उनका डेथ सर्टिफिकेट जारी कर दिया था। जैसे ही ये खबर इलाके में फैली तो हडक़ंप मच गया।

दरअसल, रावतपुर क्षेत्र के शिवपुरी मोहल्ले से स्वास्थ्य विभाग ने विमलेश नाम के व्यक्ति का शव बरामद किया है। जिस व्यक्ति का शव बरामद हुआ है, वह काफी समय से इलाके में दिखाई नहीं दे रहा था, स्थानीय लोग जब विमलेश के बारे में पूछते, तो उसके परिजन उसे कोमा में होने की बात कहकर टाल देते थे। इस बात की सूचना किसी स्थानीय व्यक्ति ने स्वास्थ्य विभाग को दी, तो विभाग हरकत में आया।

मामला संज्ञान में आने के बाद सीएमओ अपनी टीम के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और विमलेश के शव को कब्जे में ले लिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि विमलेश पिछले डेढ़ साल से दिखाई नहीं दे रहा था। फिलहाल शव की एलएलआर अस्पताल में जांच की जा रही है। वहीं, दिनेश का कहना है कि उसका भाई विमलेश काफी समय से कोमा में है, इसलिए उसको घर में रखा है। इस पूरी गतिविधि को लेकर शहर में तमाम तरह की चर्चाएं हो रही हैं। जिसे इस घटना की जानकारी मिल रही है, वह आश्चर्यचकित है।

लोगों का कहना है कि आखिर डेढ़ साल तक कोई कैसे किसी के शव को अपने घर में रख सकता है। एसएचओ रावतपुर संजय शुक्ला ने बताया कि उन्हें सुबह सीएमओ से सूचना मिली कि क्षेत्र के शिवपुरी मोहल्ला में एक 38 वर्षीय व्यक्ति का शव पिछले कई दिनों से उनके घर पर रखा है। किसी तरह की अनहोनी न हो, इसके लिए सीएमओ ने सुरक्षा मांगी। सुरक्षा के नाते जब एसएचओ मौके पर पहुंचे, तो वह भी सकते में आ गए। आनन-फानन ही शव वाहन से बाडी को एलएलआर अस्पताल भिजवाया गया है। एसएचओ संजय शुक्ला ने बताया कि विमलेश नाम के व्यक्ति की शव घर में रखा हुआ था।

आयकर विभाग से सीएमओ के पास आया पत्र, तो खुली पोल- रावतपुर थाना क्षेत्र के इनकम टैक्स चौराहा के समीप रहने वाले आयकर कर्मचारी विमलेश गौतम की 22 अप्रैल 2021 को मौत हो गई थी। विमलेश गौतम अहमदाबाद स्थित आयकर विभाग में कार्यरत था। विमलेश की मौत होने के बावजूद घरवालों का कहना है कि उसकी सांसें चल रही थीं। इसलिए विमलेश का अंतिम संस्कार नहीं किया गया और उसकी बाडी को घर पर रखा गया था। विमलेश की शादी मिताली दीक्षित से हुई थी, मिताली को-ऑपरेटिव बैंक में मैनेजर हैं। जब आयकर विभाग ने पेंशन के मामले में सीएमओ से विमलेश के मृत्यु प्रमाण पत्र व अन्य जानकारी मांगी, तो यह हकीकत सभी के सामने आ गई। फिलहाल इस मामले पर विमलेश के स्वजन कुछ बोलने को तैयार नहीं हैं। वहीं, शहर के एलएलआर अस्पताल के इमरजेंसी विभाग में विमलेश का शव रखा गया है। डाक्टरों का कहना है कि शव बुरी तरह सड़ चुका है, मांस हड्डियों में ही सूख गया है। सीएमओ आलोक रंजन ने कहा कि फिलहाल किसी तरह की जानकारी नहीं दी जा सकती है। शव का पोस्टमार्टम होने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। वहीं, जिला अस्पताल के एसीएमओ डॉ. ओपी गौतम ने बताया कि विमलेश की मौत डेढ़ साल पहले हो चुकी थी। फिलहाल आगे की कार्रवाई जारी है।

चाइल्ड पोर्नोग्राफी मामले में सीबीआई का एक्शन, 20 राज्यों में मारी रेड

नई दिल्ली (आरएनएस)। बाल यौन शोषण से जुड़ी चीजों की ऑनलाइ शेयरिंग के खिलाफ सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन ने आज बड़ी कार्रवाई की। जांच एजेंसी ने शनिवार को 20 राज्यों में 56 ठिकानों पर दबिश दी है। सीबीआई की तरफ से इसे 'ऑपरेशन मेघचक्र' नाम दिया गया है। खबर है कि इंटरपोल सिंगापुर से मिले इनपुट और बीते साल अंजाम दिए गए ऑपरेशन कार्बन के दौरान हासिल की गई जानकारी के आधार पर छापे मारे गए हैं। सीबीआई ने सर्क्युलेशन ऑफ चाइल्ड सेक्सुअल एक्सप्लॉइटेशन मटेरियल के दो मामलों को लेकर एक्शन लिया गया है। खबर है कि अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए कथित तौर पर सीएसईएम शेयर करने में शामिल लोगों की शुरुआती जानकारी इंटरपोल न्यूजीलैंड से मिली थी।

सीबीआई ने सिंगापुर के जरिए यह खुफिया जानकारी हासिल की। इससे पहले साल 2021 में सीबीआई ने ऑपरेशन कार्बन को अंजाम दिया था। उस दौरान देशभर में 83 लोगों के खिलाफ 76 ठिकानों पर रेड की गई थी और कई गिरफ्तारियां की गई थीं।

ऑपरेशन मेघचक्र के जरिए जांच एजेंसी सीएसईएम को ऑनलाइन शेयर करने में शामिल लोगों का पता लगा रही है। खबर है कि इस तरह के रैकेट को एक व्यक्ति या एक संगठन के स्तर पर भी चलाया जाता है। ऑपरेशन का खास निशाना क्लाउट स्टोरेज फैसेलिटी है, जिनकी मदद से पैडलर नाबालिगों से जुड़ी यौन सामग्री को सर्क्युलेट करते हैं।

पीएफआई के टारगेट पर थी पीएम मोदी की पटना रैली, एनआईए की पूछताछ में बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रवर्तन निदेशालय ने दावा किया है कि पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया ने पटना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली को टारगेट करने की योजना बनाई थी और यूपी में संवेदनशील स्थानों व व्यक्तियों पर हमले शुरू करने के लिए आतंकवादी मॉड्यूल, घातक हथियारों और विस्फोटकों के संग्रह में यह विवादित संगठन शामिल था। यह खुलासा राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने केरल से गिरफ्तार पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के मेंबर शफीक पैठ से पूछताछ के दौरान हुआ।

शफीफ पैठ ने एनआईए को बताया है कि उनके निशाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पटना रैली थी। शरीफ के मुताबिक पीएफआई लीडर रैली के दौरान माहौल बिगाडऩा चाहते थे। इसके लिए बाकयदा बैनर- पोस्टर भी बनाए गए थे। एनआईए की ओर से की गई पूछताछ में शफीक ने बताया कि इसी साल 12 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पटना में रैली थी। ये रैली पीएफआई के टारगेट पर थी। जांच के दौरान ये भी पता चला है कि पीएफआई के एकाउंट में एक साल में करीब 120 करोड़ रुपए डिपॉजिट किए गए थे। इसके साथ ही जितना पैसा अकाउंट में जमा किया गया था उससे दोगुना रुपया कैश के रूप में एकत्र किया गया था। एनआईए की जांच में ये भी जानकारी मिली है कि ये करोड़ों रुपये की रकम न सिर्फ हिंदुस्तान के अलग-अलग शहरों से, बल्कि विदेशों से भी एकत्र की गई थी। इस पैसे का इस्तेमाल देश विरोधी गतिविधियों में किया जा रहा था।

इस एक्शन के दौरान देशभर के कई हिस्सों से 106 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। सबसे ज्यादा गिरफ्तारियां केरल से हुई थीं। केरल से 22 लोगों को एनआईए ने गिरफ्तार किया गया था। पीएफआई ने अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए पहले ही कई संगठन तैयार कर लिए थे। जिनके जरिए देश में अपने एजेंडे को जारी रखने के लिए पीएफआई ने पूरा प्लान बनाया हुआ था।

ऋषिकेश एम्स में चल रहा अंकिता का पोस्टमार्टम, भारी संख्या में जमा हुई भीड़

देहरादून (आरएनएस)। उत्तराखंड में अंकिता भंडारी हत्याकांड के कारण माहौल काफी गर्माया हुआ है। हत्याकांड से गुस्साए लोग एम्स ऋषिकेश के बाहर जमा हो गए है। एम्स ऋषिकेश में ही अंकिता का पोस्टमॉर्टम चल रहा है। अंकिता की हत्या का आरोप भाजपा नेता के बेटे पर लगा है। आज सुबह अंकिता का शव ऋषिकेश में चिल्ला नहर से बरामद किया गया। इस घटना से लोगों में काफी गुस्सा है। लोग आरोपी को कड़ी सजा देने की मांग कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि राज्य में इस तरह की घटना बर्दाश्त से बाहर है। भाजपा की सरकार में भाजपा के नेता खुलेआम गुंडागर्दी कर रहे हैं।

बता दें, इस हत्या का मुख्य आरोपी भाजपा नेता का बेटा पुलकित आर्य है। राज्य की धामी सरकार ने मामले में कड़ा एक्शन लिया है। उत्तराखंड के समाज कल्याण अनुभाग ने पुलकित के बड़े भाई अंकित आर्य को पिछड़ा वर्ग आयोग में उपाध्यक्ष पद से हटा दिया है। मामले की जानकारी देते हुए भाजपा के प्रदेश महामंत्री राजेंद्र सिंह विष्ट ने बताया कि हमारी पार्टी में अपराधियों या उनसे संबंध रखने वालों के लिए कोई जगह नहीं है। इसलिए इन सभी पर कार्रवाई की जा रही है। अंकिता भंडारी पांच दिनों से लापता चल रही थी। अंकिता की नहर में धकेल का हत्या कर दी गई थी। पुलिस उसके शव की तलाश में जुटी थी, लेकिन सफलता नहीं मिली। शुक्रवार को पुलिस ने एसडीआरएफ की मदद ली। चीला नहर का पानी बंद कराया, लेकिन शाम तक उसका शव बरामद नहीं किया जा सका। आज सुबह अंकिता का शव बरामद कर लिया गया।

महिलाओं ने की आरोपी की पिटाई- दरअसल, पौड़ी गढ़वाल के नांदलस्यूं पट्टी के श्रीकोट की रहने वाली अंकिता भंडारी वनंत्रा रिजॉर्ट में रिसेप्शनिस्ट के तौर पर काम करती थी। वनंत्रा रिजॉर्ट भाजपा नेता के बेटे पुलकित आर्य का है। वहीं अंकिता हत्याकांड से उत्तराखंड वासियों में काफी गुस्सा है। शुक्रवार को महिलाएं सडक़ पर उतर आईं। महिलाओं ने पुलिस वाहन रोक कर सरेआम आरोपी पुलकित आर्य को पीट डाला। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने घटना पर दुख जताते हुए अधिकारियों को आरोपियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए सीएम धामी ने कहा कि पुलिस अपना काम कर रही है। हर हाल में पीड़िता को न्याय मिलेगा। सीएम धामी ने कहा है कि एक एसआईटी का गठन किया गया है।